



केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	अंकों में	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा: नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

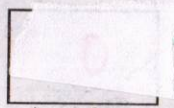
उप मुख्य परीक्षक एवं निर्धारित मुद्रा

NEENA KHAUSHIK
325999004

परीक्षक एवं निर्धारित मुद्रा

NEENA KHAUSHIK
325168002

2



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 2 के अंक

कुल अंक



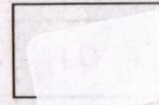
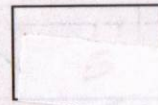
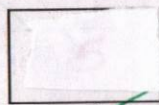
प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 01

रिक्त स्थान :- उत्तर

- (अ) निर्वात में प्रकाश का वेग (3×10^{10}) सेमी प्रति से. होता है !
- (ब) विद्युत अपघटन सम्बन्धी नियम (ज. रा. 1) दिया !
- (स) सरसों (फूसीफेरी) फूल का पौधा है
- (द) (विद्युत) चुम्बक मुन्मायम लीटे के बने होते हैं !
- (इ) चूने का रासायनिक नाम (कैल्शियम ऑक्साइड) है !
- (फ) आनाक्सी श्वसन के पश्चात् 21) डिग्री सेल्सियस उष्मा निपुलती है !

B
S
E



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - ०२

સત્ય / અસત્ય :-

(अ) उत्तर — असत्य

(ब) उत्तर — ५

(अ) उत्तर — 14 35

(द) उत्तर — रा. १५ स

5) उत्तर - सत्य

(फ) उत्तर - ५५२

B
S
E

P.T.O

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3

सही जोड़ी : — उत्तरB
S
E

क्र.	'अ'	क्र.	'ब'
(i)	विद्युत चुम्बक	(स)	कुच्चे लींटे से
(ii)	हजारा	(द)	सिंचाई यंत्र
(iii)	विद्युत बल्ब	(अ)	लंगस्टन
(iv)	डेयरी उद्योग	(इ)	लैक्टोबैसिलस
(v)	जानवर	(ब)	एन्थ्रेक्स



प्रश्न क्रमांक - ०५

एक वाक्य :-

(अ) उत्तर - विद्युत धारा का उष्मीय प्रभाव :- जब किसी परिपथ में विद्युत धारा प्रवाहित की जाती है। तो विद्युत धारा चालक को गर्म कर देती है - जैसे - बल्ब जलाने पर गर्म हो जाता है, हीटर के तार विद्युत धारा प्रवाहित होने पर गर्म हो जाते हैं। इसी को विद्युत धारा का उष्मीय प्रभाव कहते हैं।

(ब) उत्तर - जैत :- परिष्कृत प्रवस्था जिसमें द्रव ठोस में परिवर्तित हो जाता है जैसे जैत कहते हैं।

(स) उत्तर - बिन्दुस्त्रावण :- वह क्रिया जिसमें जल पौधों के (पिंती) भागों से बूंदों के रूप में निकलता है बिन्दुस्त्रावण कहते हैं। प्रायः यह क्रिया रात में होती है।



(द) उत्तर - फ्रेस् चक्र की खोज " एच. ए. फ्रेस् " ने की थी।

(इ) उत्तर - फुदाली का उपयोग :- पकितबूद रूप से बीबाई की
के लिए उत्तम यंत्र है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक-05

सही विकल्प :-

(अ) उत्तर - (i) वर्ण विश्लेषण

(ब) उत्तर - (ii) विद्युत धंती में

(स) उत्तर - (iii) मानक विलयन

(द) उत्तर - (iv) लेविग्टी

(इ) उत्तर - (v) 0.03

प्रश्न

(फ) उत्तर - (ii) फिटकुरी

प्रश्न क्रमांक - 6

उत्तर - गुण :- चुम्बक के गुण निम्नलिखित हैं !

(i) चुम्बक चुम्बकीय ^{धार्त्विक} पदार्थों को अपनी ओर आकर्षित करता है !

(ii) यदि चुम्बक को स्वतंत्रता पूर्वक लटका दिया जाए ! तो वह उत्तर - दक्षिण दिशा में ठहरता है !

प्रश्न क्रमांक - 7

उत्तर - विद्युत सामर्थ्य :- किसी विद्युत परिपथ में धारा प्रवाहित करने पर प्रति सेकण्ड किया गया कार्य विद्युत सामर्थ्य कहलाता है ! विद्युत सामर्थ्य

प्रश्न क्र.

का मात्रक घूल प्रति सेकण्ड या वाट होता है।

प्रश्न क्रमांक - 8

B
S
E

उत्तर - उपयोग :- आद्यतनी विश्लेषण के उपयोग निम्नलिखित

(i) विभिन्न पदार्थों का तुल्यतांकी भास ज्ञात करने में।

(ii) मिश्रण की प्रतिशत रचना ज्ञात करने में।

प्रश्न क्रमांक - 9 (अथवा)

उत्तर - उपयोग :- सोडियम कार्बोनेट के दो उपयोग निम्नलिखित हैं।

(i) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग कीटाणुनाशक रूप में किया जाता है।



प्रश्न क्र.

- (ii) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग कुँड़े होने में किया जाता है।
- (iii) कागज उद्योग में काम आता है।

प्रश्न क्रमांक - 10 (अथवा)

B
S
E

उत्तर - लक्षण :- एन्जाइम के विशिष्ट लक्षण निम्नलिखित हैं।

- (i) एन्जाइम की मात्रा में अन्तर होता है।
- (ii) एन्जाइम शरीर में स्वयं बनते हैं। ये जटिल कार्बोनिक् पदार्थ हैं।
- (iii) इस जल में विघ्न्य होते हैं।

प्रश्न क्रमांक - 11

उत्तर - वाष्पोत्सर्जन :- पौधों के वायवीय भागों से होने वाली जल हानि को वाष्पोत्सर्जन



प्रश्न क्र.

कहते हैं। वाष्पीकरण तीन प्रकार के होते हैं।

- (i) रन्धीय वाष्पीकरण
- (ii) उपत्वर्चीय वाष्पीकरण
- (iii) वातरन्धीय वाष्पीकरण

प्रश्न क्रमांक - 12

B
S
E

उत्तर - समांग माध्यम : — वह माध्यम जिसमें प्रकाश बिन्दु के गुण प्रत्येक बिन्दु समान होते हैं समांग माध्यम कहते हैं।

जैसे : — काँच, जल, वायु !

प्रश्न क्रमांक - 13 (अथवा)

उत्तर - विशेषताएँ : — उत्प्रेरक की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

- (1) उत्प्रेरक की अल्प मात्रा अभिक्रिया के लिए पर्याप्त होती है।



प्रश्न क्र.

iii) उत्प्रेरक किसी रासायनिक क्रिया को आरम्भ नहीं करते केवल उसकी गति को कम या अधिक कर देते हैं।

iv) किसी एक ताप पर उत्प्रेरक की क्षमता सर्वाधिक होती है लेकिन विभिन्न तापों के लिये ये क्षमता भिन्न-भिन्न होती है।

प्रश्न क्रमांक - 14 (अथवा)

उत्तर :- प्रकार :- श्वसन दो प्रकार के होते हैं -

i) आक्सी श्वसन

ii) अनाक्सी श्वसन

i) आक्सी श्वसन :- यह आक्सीजन की उपस्थिति में होता है इसे वायवीय श्वसन भी कहते हैं इसमें जटिल खाद्य पदार्थ आक्सीजन की उपस्थिति में CO_2 एवं H_2O में टूटते हैं और ऊर्जा मुक्त होती है। इसमें $673 K$ ऊँची उर्जा उत्पन्न होती है।

(P.T.O)



प्रश्न क्र.

(ii) अनाक्सी श्वसन :- इसे अवायवीय श्वसन भी कहते हैं यह आक्सीजन की अनुपस्थिति होता है इसमें एथिल एल्कोहॉल या इथेनॉल बनता है तथा कम मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसमें 21 kcal ऊर्जा उत्पन्न होती है।

प्रश्न क्रमांक - 15 (अथवा)

B
S
E

उत्तर - मनुष्यों में जीवाणुओं द्वारा फैलने वाले रोगों के नाम व जीवाणुओं के नाम निम्नलिखित हैं -

क्र.	रोगों के नाम	जीवाणुओं के नाम
i.)	हैजा	बिब्रियो कोलेरा
ii.)	टाइफाइड	साय्मोनीन्का टाइफोसा
iii.)	न्यूमोनिया	डिप्थीरिफ्टेरस न्यूमोनी
iv.)	तपेदिफ या क्षय रोग	माइक्रोबैक्टीरिया ट्यूबरकुलोसिस

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 16 (अथवा)

उत्तर — अंतर :- वास्तविक एवं आभासी स्पेक्ट्रम में अंतर निम्नलिखित है ।

B
S
E

क्र.	वास्तविक स्पेक्ट्रम	क्र.	आभासी स्पेक्ट्रम
(i)	वास्तविक स्पेक्ट्रम को पदे पर प्राप्त किया जा सकता है ।	(i)	आभासी स्पेक्ट्रम को पदे पर प्राप्त नहीं किया जा सकता है ।
(ii)	इनमें बैंगनी रंग प्रिज्म के आधार की ओर होता है ।	(ii)	इनमें लाल रंग प्रिज्म के आधार की ओर होता है ।
(iii)	इसे देखने के लिए किसी विशेष दिशा की आवश्यकता नहीं होती ।	(iii)	इसे निर्गत प्रिज्म की दिशा में ही देखा जा सकता है ।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 17

उत्तर :- उपयोग :- कौत्वाइडो का दैनिक जीवन में निम्नलिखित उपयोग है !

B
S
E

(i) औषधियों में :- बहुत सी औषधियाँ कौत्वाइडी अवस्था में होती हैं जिससे ये शरीर में आसानी से अवशोषित होकर सतत से पच जाती हैं। और अधिक प्रभावशाली होती हैं।

(ii) उद्योगों में :- चमड़ा, तैयरी उद्योग, चाय उद्योग आदि उद्योगों में कौत्वाइडी गुणों का उपयोग किया जाता है।

(iii) सौन्दर्य प्रसाधन में :- कई सौन्दर्य प्रसाधन जैसे - क्रीम, केस क्रीम, सैबिंग क्रीम आदि सौन्दर्य प्रसाधनों में कौत्वा का प्रयोग किया जाता है।



५१ पृष्ठ

पृष्ठ 15 क अंक

पुल अंक

EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,

प्रश्न क्र.

(iv) कारखानों में :- कारखानों की चिमनियाँ से निम्न निकलने वाले हानिकारक धुएँ के अवक्षेपण में कोल्डाइटी शूलों का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न क्रमांक - 18 (अथवा)

B
S
E

उत्तर :- कृदाई सम्बन्धी यंत्रो के नाम निम्नलिखित हैं -

(1) सिफ्रेटियर

(iii) कृतेन चाकु

(iii) घास काटने की मशीन

(iv) कृत्न आरी

(५) दादा बूँसिया

P.T.O.



प्रश्न क्र.

(i) कृत्तन चाकू :- यह टेडी फाल बाबा चाकू होता है जो चारा काटने सहजियाँ काटने एवं पौधों की शाखाएँ काटने के काम आता है यह यंत्र ग्रामीण तथा शहरी हर जगह उपयोग में लाया जाता है और कृत्तन चाकू हर जगह उपलब्ध होता है।

B
S
E

(ii) हसियाँ :- यह अर्धचन्द्राकार हथौदार तथा बीच से मुड़ा अं हुजा यंत्र होता है इसका उपयोग पेड़ों की मोटी शाखाएँ काटने कास काटने, सहजियाँ काटने आदि में प्रयोग किया जाता है। यह यंत्र ज्यादातर लोहे का होता है यह पेड़ों की कटाई हटाई के लिए अत्यन्त आवश्यक है। ग्रामीण लोग ज्यादातर इसका प्रयोग करते हैं।

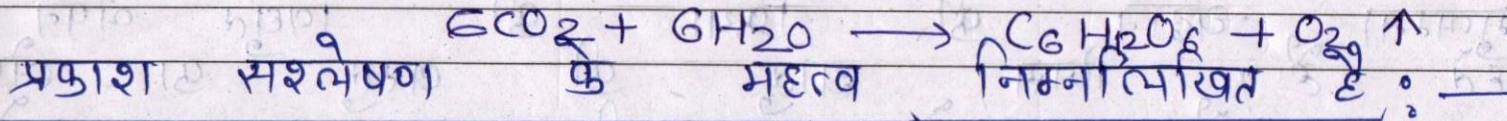
प्रश्न क्रमांक - 19

उत्तर :- प्रकाश संश्लेषण की परिभाषा : सूर्य प्रकाश



प्रश्न क्र.

जब एंव कार्बन डाइ आक्साइड से कार्बोहाइड्रेट बनने की क्रिया प्रकाश संश्लेषण कहते हैं।
 एंव क्लोरोप्लैस्ट की उपस्थिति में जब एंव कार्बन डाइ आक्साइड से कार्बोहाइड्रेट बनने की क्रिया प्रकाश संश्लेषण कहलाती है। इस क्रिया में CO_2 एंव जब से कार्बोहाइड्रेट का निर्माण होता है।



(i) प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में पौधे CO_2 ग्रहण करते हैं तथा O_2 बाहर निकालते हैं यह वायुमण्डल का शुद्धिकरण करती हैं तथा CO_2 एंव O_2 के अनुपात को बनाये रखती हैं।

(ii) प्रकाश संश्लेषण की क्रिया से हमें पौधों से रबर, सैल्युलोज, चमड़ा आदि महत्व की वस्तुएँ प्राप्त होती हैं।

(iii) प्रकाश संश्लेषण की क्रिया सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में होती है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 20

B
S
E

उत्तर - विद्युत तैपन :- किसी एक धातु पर दूसरी धातु की कुत्तई करने था मुल्ममा चढाने की क्रिया की विद्युत तैपन कहते हैं। जिस धातु की वस्तु का तैपन करना है उसे अच्छी तरह साफ करके कुथोड की जगह लटका देते हैं एवं जिस धातु की पत परत चढानी है उसे एनोड की जगह लटका देते हैं। पात्र में विद्युत अपघट्य भर दिया जाता है। अब एनोड पर लटकी धातु धुलने लगती है कुथोड पर जूझने लगती है इस क्रिया को विद्युत तैपन कहते हैं।

धातुओं का विद्युत तैपन :- (i) कई धातुओं जैसे, लौहे से बचाने के लिए उस पर निक्षेप का अस्तर चढा दिया जाता है।



प्रश्न क्र.

धातुओं का औद्योगिक मूल्य बढ़ाने के लिए ताँबे के
 बर्तनों पर चाँदी का जस्तर चढ़ा दिया जाता है
 चाँदी के पर सोने का मुल्यमा चढ़ा दिया जाता है।

B
S
E